(जिला स्तरीय मौसम पूर्वानुमान)
(जिला स्तरीय मौसम पूर्वानुमान आई.एम.डी.,नई दिल्ली के आधार पर तैयार की गई)
चौ.स.कु. हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर-176062 हिमाचल प्रदेश
सस्य, चारा एवं चारागाह प्रबन्धन विभाग, कृषि महाविद्यालय

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा विज्ञप्ति क्र. 2019/2/Him/Ham/5

जिला: काँगड़ा **दिनांक: 02-08-2019**

www.hillagric.ac.in/info/kisano_ke_liye_soochna, email: ranars66@rediffmail.comPh.No. : +91-1894 232245 Fax: 91-1894 230406

आगामी पांच दिनों का मौसम पूर्वानुमान:

Weather parameters/Date	3/8/2019	4/8/2019	5/8/2019	6/8/2019	7/8/2019
Rainfall (mm)	25	15	15	25	10
Temp Max(C)	26	27	27	26	26
Temp Min (C)	19	19	18	17	17
Humidity Morning (%)	85	86	86	91	88
Humidity Evening (%)	72	59	60	65	75
Wind speed (kmph)	4	4	4	4	4
Wind direction	73	70	89	100	65
Cloud (Octa)	8	7	7	8	8

आगामी पांच दिनों के लिए उक्त जलवायु के हिसाब से निमं कृषीय सलाह दी जाती है। **अगले पांच दिनों 90** mm **मे वर्षा की संभावना है।** अधिकतम तापमान 26-27 ^{0}C और न्यूनतम तापमान 17-19 ^{0}C के बीच रहने के संभावना है. हवाओं की गति 4 किलोमीटर प्रति घंटे के हिसाब से चलेंगी. सापेक्षित आद्रता लगभग 59-91 प्रतिसत के बीच रहेंगी. घने बादल रहने की संभावना है.

<u>मौसम पूर्वानुमान आधारित कृषि कार्य</u>

वर्षा की संभावना है और सब्जिओं में सिंचाई वर्षा को देखेते ही करें.

मुख्य फसलें	अवस्था	कीट/ विमारियां व अन्य	कृषिय सलाह
भारी वर्षा को ध्यान में रखते हुए किसान भाई अपने खेतों में मेड़ों को बनाने का कार्य शीघ्र करें। मेडें चोडी तथा ऊँची होनी चाहिए। खेतों में पानी की निकासी का विशेष ध्यान दें.			
खरीफ फसलें	गुड़ाई		धान के खेतों की मेंडो को मजबूत बनाये। जिससे वर्षा का ज्यादा से ज्यादा पानी खेतों में संचित हो सके. धान में आज कल झुलसा रोग की संभावना होती है उपचार हेतु बाविस्टिन 1.२ ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल कर 15 दिन के अन्तराल पर छिड्काब करें जिन जगहों पर मक्का की फसल 2 या 3 हफ़्तों की हो गई है वहां गुड़ाई का समय है. जिन किसान भाईयों की धान की फसल 20-25 दिन की हो गई हो तो नत्रजन उर्वरक खेत

			में डालें धान में आज कल जुलसा रोग की संभावना होती है उपचार हेतु बाविस्टिन 1.२ ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल कर 15 दिन के अन्तराल पर छिड़काब करें
दालें	वीजाई		सोयाबीन रोंगी मुंग माह व कुल्थी फसलों में खरपतवार नियंत्रण करें. सोयाबीन, मूंग, उडद की खडी फसल में यदि सफ़ेद मक्खी, चूसक कीटों का प्रकोप अधिक हो तो इमिडाक्लोप्रिड दवाई 1.0 मि. ली./3 लीटर पानी या थायामिथोजाम 25 दानें @ 40 ग्राम/एकड़ पानी में मिलाकर छिड़¬काव आसमान साफ होने पर करें।
आनाज भंडारण			वातावरण में नमी बढ़ने से भंडारण गृह में कीटों द्वारा भंडारित अनाज में हानि हो सकती है। इसलिए भंडारित अनाज की जाँच करें तथा कीट नजर आए तो सेल्फॉस गोलिया @ 3 गोली प्रति टन अनाज की दर से प्रयोग करें तथा ढाँचे को अच्छी तरह से सील कर दें
चारे की फसलें	वीजई		मध्यम पर्वतियों क्षेत्रों में उन्नत घास की किस्मो जैसे सेटेरिया हठी घास व् ऊँचे क्षेत्रों में फेस्कुए ऑर्चर्ड घास और क्लोवर की जड़ों के लगने का समय है.
ऊँचे पर्वतीय क्षेत्र			ऊँचे पर्वतीय क्षेत्रों में ओगला फफरा राजमाश मटर पलक गोभी की फसल में निरही गुडाई करें. साथ में फाफरा आदि की फसल वीजई का काम खत्म करें.
सब्जी उत्पादन	वर्षा की सम्भावना को देखते हुए खेतों में पानी के निकास का सुनिश्चित प्रवंधन करें		
सब्जी उत्पादन टमाटर ,लाल व शिमला मिर्च	बुवाई का समय निराई व गुड़ाई		कद्दूवर्गीय सब्जियोंकी वर्षाकालीन फसलों में हानिकारक कीटों-बीमारियों की निगरानी करें व बेलों को ऊपर चढ़ाने की व्यवस्था करे। ताकि वर्षा से सब्जियों की लताओं को गलने से बचाया जा सके तथा जल निकास का उचित प्रबन्ध रखें. इस मौसम में बेलवाली सब्जियों में लाल भृंग कीट के आक्रमण की संभावना रहती है, यदि कीट की संख्या अधिक हो तो ड़ाईक्लोरवॉस 76 ई.सी. (डी.डी.वी.पी.)@ 1 ग्राम/लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। या मैलाथियान 50 ईसी. (1 मि.ली.दवाई कीटनाशक प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर) का छिडकाव करें । किसान कद्दूवर्गीय सब्जियों में फल मक्खी की निगरानी करते रहें इसके लिए मिथाइल यूजीनोल ट्रेप का प्रयोग कर सकते हैं। फल मक्खी के लक्षण पाये जाने पर रोगोर @ 2 मि.ली+10 ग्राम चीनी/गुड़ प्रति ली .पानी में मिलाकर 50 लीटर प्रति हैक्टर की दर से छिड़काव आसमान साफ होने पर करें

			बैंगन तथा टमाटर की फसल को प्ररोह एवं फल छेदक कीट से बचाव हेतु ग्रसित फलों तथा प्रोरहों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड़ कीटनाशी 48 ई.सी. @ 1 मि.ली./4 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें. । मिर्च के खेत में माईट कीट की निरंतर निगरानी करते रहें। भिंडी, मिर्च तथा बेलवाली फसल में माईट, जैसिड और होपर की निरंतर निगरानी करते रहें। अधिक माईट पाये जाने पर फॉसमाईट @ 2 मि.ली./लीटर पानी तथा जैसिड और होपर कीट के रोकथाम के लिए रोगोर कीटनाशक 2 मि.ली./लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव आसमान साफ होने पर करें
फूल गोभी			फूल गोभी की नर्सरी लगाने का समय है तैयार नर्सरी को खेतों में प्रतोरोपन कर सकते है
पाली होउस खेती	बनस्पति और फल अवस्था		टमाटर में पता धब्बा रोग की रोकथाम के लिए टिल्ट नाम के दबाई का छिड्काब करें. पहले लगे टमाटर में दो टहनियों रख कर बाकि की कटाई व छंटाई करें. पोलीहोस में माइट्स के बचाब हेतु 10 मिली लीटर Prorazite 57 EC या Spiromeciphen 22.9 SC 10 लीटर पानी में घोल कर छिड्काब करें . छिड्काब के एक सप्ताह बाद ही सब्जिओं को तोडें .पोलिहोसे हाउस में सफल खेतीं के लिए निचले व मध्यम पर्वतित्यों क्षेत्रों में जरूरत दिन में 50 प्रतिशत छायादार जालों का प्रयोग करें ताकि तापमान का नियंत्रण हो सके. हबा की निकासी का प्रवन्ध करें .पालिहोस में spodoptera तम्बाकू सुंडी का प्रकोप की सम्भावन है पतंगे को अदंर न आने दें. वर्षा के समय साईड की बेंट को बंद रखें और बाद में खोल दें.
मशरूम	डिंगरी मशरूम पैदाबार		बंद कमरे में खुम्ब उत्पादन के लिए जलवायु उचित है डिंगरी की फसल के लिये कमरे का तापमान 22-24 डिग्री सेल्सिस तक वनाये *रखें और पानी भी छिडकें ताकि कमरे में नमीं 80 से 85 प्रतिशत वनी रहे*
पशुपालन मवेशी भेड़ बकरी इत्यादी		डीवार्मिंग	गलघोटू ब लंगड़ा बुखार के लिए पशुओं को टिका लगवा दें .पशुओं के जगह को सुखा रखें . दाना मिश्रण में उर्जा की मात्रा २-३ प्रतिसत बड़ा दें . जुओं चिचाडों से बचें हेतु butox २ मिली लीटर प्रति लीटर पानी के हिसाब से पशुशाला में छिडकें . पशुओं को साफ पानी दें.
मुर्गीपालन		आहार	मुर्गियों को बीमारियों से बचाने के लिए मुर्गीघरो में नमी मत होने दे । मुर्गीघरो में डीप-लीटर को दुसरे-तीसरे दिन उलट दे, ताकि बीमारी न फैले । ब्राईलर को लगातार फीड देते रहे । पौल्ट्री आहार में २ प्रतिशत प्रोटीन की मात्रा आहार में बड़ा दें । मुर्गियों को साफ सुथरा पानी दें. सुरक्षा के दृष्टी से ४० प्रतिशत फार्मलीन

			एकक लीटर की 9 लीटर पानी में घोल कर छिड़काब करें
चाय	पत्ती की तुडबाई		पत्ती की तुडबाई ठीक स्तर पर करें ताकि अच्छी प्रतिशाता मिले जहाँ कहीं छाया हो पोधों को की काट छांट कर दें ताकि पोधों को अच्छी धुप मिले मिली बग आने पर उपचार करें. माइट्स की रोकथाम के लिए केलथेन 2.5 मिली लीटर प्रति लीटर पानी में छिड़काब करें
फल उत्पादन	पोध संरक्षण		फलों के नऐ बाग लगाने के लिए अच्छी गुणवत्ता के पौधों का प्रबन्ध करके इनकी रोपाई करें । मिलीबग कीट की निगरानी करते रहें। पीच लीफ कर्ल के उपचार हेतु Metasystox 1 मिली लीटर 1 लीटर पानी+ blitox ३ ग्राम १ लीटर पानी में घोल कर छिड़काब फूल आने से पहले करें
जंगली व ओषधि पोधे	वीजाई		कचनार, धक् , झिन्गेर संजना संदन ,साल और तूनी अदि के वीज को एकता करेने का समय है तथा ओषधि पोधे अस्वगंधा तुलसी जंगली भिन्डी अगरकार की पोधे तैयार करें का मौसम है.
मधु मक्खी पालन	सक्रिय	पोषण	मधु मक्खीयों के कमजोर गृहों को बनावटी खुराक 50 प्रतिशत चीनी व 50 प्रतिशत गुर का घोल बन कर दें . ततैईयों रिन्गलों से बचाब करें और फ़ाउल ब्रूड रोग के प्रति सचेत रहे. मौनालय के आसपास घास व खरपतवार नियंत्रण रखें. समय समय पर अतिरिकत फ्रेम डाल दें ताकि मधु मखियों अपनी बढोतरी कर सकें .
मछली पालन			तालाब के चरों तरफ जाली बनाये ताकि अधिक बारिश कारण वो बाहर न निकल जाएं .मछली पालने के लिए तालाबों में पानी की सतह 6 फूट तक बनाए रखें खुराक 4 प्रतिशत शरीरी के हिसाब से ५-६ बार डालें मात्रा शारीर के भार के बरावर के हिसाब से बड़ा दें।
पुष्प	फूल बनना	माइट्स	ग्रीष्मऋतु के लिये गेंदे की तैयार पौध की रोपाई करें। ग्रीष्मऋतु फूलों की नर्सरी लगाने का समय है माइट्स से बचाब हेतु स्य्पेर्मेथ्रिन 0.05 % 15 दिन के अन्तराल पर छिडकाव करें फूलों को क्यारियो . गमलों लटकानी तो टोकरियों . चाट्टानी उद्यानों आदि में उगाया जा सकता है. गुलाब की क्यारियों में सप्ताह के अंतराल पर सिंचाई व निराई-गुड़ाई करें तथा सूखी टहनियों को काटे

आम जल प्रबंधन			देशी खाद(सड़ी-गली गोबर की खाद व कम्पोस्ट) का अधिकाधिक प्रयोग करें ताकि भूमि की जलधारण क्षमता और पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ सके। मृदा जाचँ के उपरांतउर्वरको की संतुलित मात्रा काउपयोग करें खासतौर पर पोटाश की मात्रा बढ़ाएं ताकि पानी की कमी के दौरान फसल की सूखे से लड़ने की क्षमता बढ़ सके। वर्षा आधारित एवं बारानी क्षेत्रों में भूमि मे नमी संचयन के लिए पलवार(मलचिंग) का प्रयोग करना लाभदायक होगा

नोडल अधिकारीसस्य विज्ञानं बिभाग
चो० स. कु. हिमाचल प्रदेश कृषि विस्वविद्यालय] पालमपुर -176062
हिमाचल प्रदेश